www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 क्या इरडा बीमा कंपनियों की नकेल कस...
3 मकर संक्रान्ति मिलन समारोह एवं दही चिउड़ा भोज के...
4 नारायणगढ़ में खोला जायेगा बागवानी...

वर्षः 9 | अंकः 88 | दिल्ली, मंगलवार, 21 जनवरी 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बार बार बदल रहा मौसम, कभी धूप तो कभी ठंड का हो रहा अहसास

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मौसम बार बार रंग बदल रहा है।

सोमवार 20 जनवरी को दिल्ली में सुबह के समय ठंड का अहसास हुआ। वहीं दिन में यहां धूप निकली जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है। दिल्ली के लोगों को सुबह हल्की धुंध के साथ ठंड का सामना करना पड़ा। भारतीय मौसम विभाग ने सुबह के समय अधिकांश इलाकों में हल्के से मध्यम कोहरे की भविष्यवाणी की थी। बाद में आसमान साफ रहा है। दिन में हल्की धूप निकलने से लोगों को राहत मिली है। सोमवार को शाम और रात में धुंध और हल्का कोहरा फिर से छाने की संभावना है। इससे पहले दिल्ली में रविवार (19 जनवरी) को तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई, तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो पिछले छह वर्षों में जनवरी का सबसे अधिक तापमान था। मौसम विभाग के मुताबिक 21 जनवरी की सुबह के समय धुंध/हल्का से मध्यम कोहरा, आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। उत्तर-पश्चिम से 6-12 किमी/घंटा की गति से हवाएं चलेंगी, अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

एक राष्ट्र, एक विधान मंच 2025 तक एक वास्तविकता होगीः लोकसभा अध्यक्ष

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सदन की कार्यवाही में सुनियोजित व्यवधान, बैठकों की संख्या में कमी की प्रवृत्ति और विधायिका की गरिमा तथा शिष्टाचार में गिरावट पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि विधायिका बहस और चर्चा के लिए मंच हैं और सदस्यों से लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने की उम्मीद की जाती है। लोकसभा अध्यक्ष ने आगाह किया कि बैठकों की संख्या में कमी के कारण विधानमंडल अपने संवैधानिक दायित्व को पूरा करने में विफल हो रहे हैं। उन्होंने सांसदों से आग्रह किया कि वे राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार करने और लोगों की आवाज का पर्याप्त रूप से

प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए कुशल समय-निर्धारण और संसदीय समय के प्रभावी उपयोग को प्राथमिकता दें। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे सदनों की गरिमा और प्रतिष्ठा को बनाए रखने और उसे बढ़ाने का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री बिड़ला ने सुझाव दिया कि सभी राजनीतिक दलों को सदन में अपने सदस्यों के आचरण के लिए आंतरिक आचार संहिता बनानी चाहिए ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान हो। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को राजनीतिक विचारधारा और संबद्धता से ऊपर उठकर संवैधानिक मयार्दा का पालन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपनी विचारधारा और दृष्टिकोण व्यक्त करते समय स्वस्थ संसदीय परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने ये टिप्पणियां आज पटना के बिहार विधानमंडल परिसर में 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के उद्घाटन भाषण के दौरान कीं।

आतंकवाद देश और दुनिया दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती हैः ठाकुर

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा।

सम्मेलन के दौरान उन्होंने देश विरोधी तत्वों से हाथ मिलाने और उनके साथ खड़े होने को लेकर अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी की तीखी आलोचना की। ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल, जो आप और हाथ के साथ डबल डेटिंग में शामिल हैं, राष्ट्र विरोधी ताकतों का पक्ष ले रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि आतंकवाद देश और दुनिया दोनों के

लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है और राष्ट्रीय सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। भारतीय जनता पार्टी ने आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का संकल्प लिया है और पिछले 11 वर्षों का मोदी सरकार का रिकॉर्ड इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एक ओर, हमारा ध्यान नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने पर है, और भाजपा के लिए, "राष्ट्र प्रथम" हमेशा मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है। हालाँकि, कुछ राष्ट्र-विरोधी पार्टियाँ हैं जो देश के खिलाफ काम करने वाली ताकतों के साथ सहयोग करती हैं, राजनीतिक लाभ के लिए उनसे धन प्राप्त करती हैं और फिर चुप रहना पसंद करती हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने सवाल किया कि अब यह चुप्पी क्यों? पहले, ये व्यक्ति जोर-शोर से और साहसिक दावे करते थे। राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल, जो डबल-डेटिंग में लगे हुए हैं, बाहर से एक तरह से दिखाई देते हैं लेकिन अंदर से पूरी तरह से अलग हैं। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो, एयर स्ट्राइक हो, या अफजल गुरु की फांसी का मुद्दा हो, इन सभी विषयों पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने एक ही स्थिति दिखाई है, जिसमें राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल एक साथ खड़े हैं।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलकर सत्ता में आई थी, लेकिन आज उनके ब्रांड 'आप' का मतलब 'अराजकता', 'अलगाववाद' और 'आतंकवाद' है। वे अफवाहें फैलाने और अपराधियों को शरण देने के लिए जाने जाते हैं। ठाकुर ने सवाल किया, ह्लऐसी कौन सी मजबूरी है, इन देश विरोधी ताकतों से हाथ मिलाना जरूरी है?ह्व सचदेवा ने आप के स्लीपर सेल पर दिल्ली में सामाजिक सद्भाव और शांति को बाधित करने का आरोप लगाया।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप को स्पष्ट करना चाहिए कि 400 से अधिक फर्जी ईमेल भेजने वाले एक किशोर को संवेदनशील डेटा तक कैसे पहुंच प्राप्त हुई? एनजीओ के संबंध जगजाहिर हैं, फिर भी केजरीवाल चुप हैं। ईमेल केवल निजी स्कूलों को ही क्यों लक्षित करते हैं, दिल्ली के सरकारी स्कूलों को क्यों नहीं? उन्होंने करोड़ों रुपये की बबार्दी और बनाए जा रहे भय के माहौल की आलोचना की, जिससे हजारों बच्चे, उनके परिवार और शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं।

नायब सिंह सैनी ने महिला प्रतिनिधियों के साथ की पूर्व बजट चर्चा

'आगामी बजट में महिलाओं को सशक्त और मजबूत बनाने में निभाएंगे अहम भूमिका'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और वर्तमान हरियाणा सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि देश के विकास में महिलाओं की अहम भागीदारी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि माता -बहनों द्वारा आज दिए गए सुझाव आगामी बजट में महिलाओं को सशक्त और मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज पंचकूला में आयोजित पूर्व बजट परामर्श बैठक में महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। बजट परामर्श में विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली 35 महिलाओं ने भाग लिया और मुख्यमंत्री को अपने सुझाव दिए । सुझाव देने वाली महिलाओं में आंगनवाडी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह, ड्रोन दीदी, लखपति दीदी, एनजीओ, प्रगतिशील महिला किसान और महिला उद्यमी शामिल थी। इसके अलावा स्वामी विवेकानंद जयंती पर नई दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम विकसित भारत यंग लीडर्स में भाग लेने वाली हरियाणा की युवतियों ने भी अपने सुझाव दिए। इस मौके पर यमुनानगर की महिला प्रगतिशील किसान गुरप्रीत कौर में मुख्यमंत्री को स्वयं तैयार किया गया हल्दी का अचार भेंट किया। मुख्यमंत्री ने श्रीमती गुरप्रीत कौर को 500 रुपये देकर प्रोत्साहित किया। श्री नायब सैनी ने महिला प्रगतिशील किसान से हल्दी के अचार की सेल के बारे में भी जानकारी हासिल की। श्रीमती गुरप्रीत कौर ने बताया की उन्होंने कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव और बिलासपुर में कपालमोचन मेले के दौरान अपना स्टॉल लगाया था।

इस अवसर पर वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू, महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त एवं सचिव अमनीत पी कुमार, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री राज नेहरू, मीडिया सचिव श्री प्रवीन अत्रे, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और महिला प्रतिनिधि उपस्थित थे।

■ चरणबद्ध तरीके से महिलाओं के लिए सभी जिलों में खोले जाएंगे सांझा बाजार

यमुनानगर और फतेहाबाद में भी शीघ्र खुलेंगे सांझा बाजार

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलायें शिक्षा, खेती, उद्यमिता, स्वयं सहायता समूह, खेलों सहित सभी क्षेत्रों में न केवल अग्रणी भूमिका निभा रही है बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत बन रही है। सरकार भी महिलाओं को पूर्ण सहयोग व सहायता दे रही है। चाहे ड्रोन दीदी योजना शुरू करने की बात हो या सांझा बाजार खोलने की। पिछले वर्ष सुझाव आया था कि कामकाजी महिलाओं के लिए ऐसे बाजार की आवश्यकता है जहाँ वे अपने उत्पाद बेच कर आमदनी कमा सके और आत्मनिर्भर भी बन सके। महिलाओं के हित में निर्णय लेते हुए राज्य सरकार में वर्ष 2024-25 के बजट में सांझा बाजार नाम से योजना की घोषणा की थी। इस योजना के तहत एक सांझा बाजार करनाल में शुरू हो चुका है और यमुनानगर तथा फतेहाबाद में भी सांझा बाजार शीघ्र ही शुरू होने वाले है। इसी प्रकार प्रदेश की मंडियों में अटल कैंटीन खोली गई है जिन्हे हमारी बहन-बेटियां सफलतापूर्वक संचालित कर रही है।

एनके प्रोडक्शन और एनआरए डायरेक्शन द्वारा जीरकपुर कॉस्मो माल में मनाया गया डांस प्रतियोगिता, ब्राइडल वाक व अवार्ड समारोह

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। एनके प्रोडक्शन व एनआरए डायरेक्शन द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जीरकपुर के कॉस्मो मॉल में देशभक्ति थीम को लेकर डांस प्रतियोगिता, देशभक्ति अवार्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भारी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके साथ ही इस समारोह में एनसीसी कैडेट्स ने परेड की साथ ही राष्ट्रगान के साथ इस अवार्ड समारोह का आगाज किया। यह आयोजन एनके प्रोडक्शन और एनआरए डायरेक्शन द्वारा करवाया गया। इस मौके पर ट्राइसिटी व दूसरे प्रदेशों से भी बच्चों ने डांस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

इस मौके पर टीवी कलाकार, व जाने माने समाजसेवी भी वहां पहुंचे। इस आयोजन के लिए जहां एक तरफ अनेकों

प्रतिभागी इस आयोजन का हिस्सा बने इसके साथ ही कई पार्टियों के नेता, बिजनेसमैन भी इस आयोजन की शोभा बढ़ाने पहुंचे। वही इस आयोजन में पैट्रियोटिक ब्राइडल, पैट्रियोटिक अवार्ड सेरेमनी, और इसके अलावा पैट्रियोटिक ब्राइडल वॉक ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। इस समारोह में महिलाओं द्वारा किया गया ब्राइडल वाक विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसके साथ ही विजेता प्रतिभागियों को ट्राफी, प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस बारे जानकारी देते हुए एनके प्रोडक्शन की डायरेक्टर नेहा खन्ना ने बताया कि इस आयोजन में उनके साथ देने बतौर मुख्यातिथि मशहूर समाज सेवी एमके भाटिया, मुख्यातिथि शालू गुप्ता, एमडी एन के प्रोडक्शन राशिब अरोड़ा, इवेंट पिलर समाजसेविका सीमा ठाकुर, शो होस्ट विजेश शर्मा, स्पेशल गेस्ट डॉक्टर रमेश, राजिंदर सिंह, राकेश अग्रवाल, भसीन ,अन्नू , मोनिआ सेठी, रोडीज फेम मनप्रीत कौर, जीपी सिंह, शो स्टॉपर सोनिया ताज, शो ओपनर पलक सेठी, बतौर ज्यूरी दीपेश शेखरी व लखविंदर मीत ने शिरकत की।

करनाल मेरे दिल में हैः नायब सैनी

विधायक जगमोहन आनंद ने सीएम से की मुलाकात

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने सोमवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने करनाल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा, उन्होंने जल्द से जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया।

विधायक जगमोहन आनंद ने मुलाकात के बाद बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से करनाल विधानसभा में चल रहे विकास कार्यों एवं करनाल के विकास को लेकर योजनाओं बारे विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि करनाल आज भी मेरे दिल में है। करनाल की जनता से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा, विकास कार्यों में पहले की ही तरह किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी बल्कि ओर तेज गति से विकास कार्य आगे बढ़ाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि करनाल में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर

लाल जी के नेतृत्व में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं। दोनों का जब भी करनाल का दौरा होता है, करनाल को विकास परियोजनाओं की सौगात मिलती रहती है। पिछले दिनों भी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल अपने करनाल दौरे के दौरान स्मार्ट सिटी के अंतर्गत 59 करोड़ की तीन परियोजनाओं की सौगात देकर गए थे।

डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी से जूझ रहे हैं प्रदेश के सरकारी अस्पतालः कुमारी सैलजा

'सिरसा और फतेहाबाद में जल्द से जल्द की जाए कैंसर रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति'

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर नहीं है।

एक ओर सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी बनी हुई है तो मेडिकल कॉलेजों में नियमों के तहत स्टाफ तैनात किया जाना चाहिए। प्रोफेसर, डॉक्टर नहीं होने से जहां मरीजों का इलाज प्रभावित होता है, वहीं, मेडिकल की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के भविष्य पर भी इसका असर पड़ता है। दूसरा जिन जिलों में कैंसर रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है वहां पर कैंसर जांच के पूरी व्यवस्था के साथ साथ कैंसर रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाए ताकि कैंसर रोगियों को उपचार के लिए बाहर न जाना पड़े। इस बारे में सरकार को जो भी पत्र लिखे जाते है सरकार उन पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि जब डॉक्टर ही नहीं होंगे तो रोगियों को कैसे स्वास्थ्य लाभ होगा, मरीजों को प्राइवेट डॉक्टरों के हाथ लुटने के लिए तो नहीं छोड़ा जा सकता। एक ओर जहां सभी सरकारी अस्पताल डॉक्टर और पैरा मेडिकल स्टाफ की कमी से जूझ रहे है वहीं मेडिकल कालेज में तो बहुत ही बुरा हाल है। प्रदेश के सबसे बड़े स्वास्थ्य संस्थान पीजीआई रोहतक में करीब 50 प्रतिशत तक पद खाली पड़े हैं, जबकि वहां सबसे अधिक मरीजों का दबाव है। डॉक्टरों और स्टाफ की कमी से मरीजों की परेशानी बढ़ने के साथ तैनात कर्मचारियों पर भी काम का दबाव बढ़ता जा रहा है। मरीजों का इलाज वाले इन मेडिकल कॉलेजों को खुद बड़ी सर्जरी की जरूरत है। इसके साथ ही बीपीएस महिला मेडिकल कॉलेज खानपुर कलां, कल्पना चावला मेडिकल कालेज

करनाल, नल्हड़ मेडिकल कालेज और फरीदाबाग के छायसां मेडिकल कालेज में भी स्टाफ की कमी हैं। यह मुद्दा कई बार विधानसभा में भी गूंजा पर डॉक्टरों और सहयोगी स्टाफ की कमी दूर नहीं हो पाई है। इस समय प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में करीब 1500 डॉक्टरों की कमी है। सांसद सैलजा ने कहा कि अधिकतर सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है अधिकतर पद आज भी खाली पड़े है, सरकार की वैकल्पिक व्यवस्था के तहत भी कोई डॉक्टर काम करने को तैयार नहीं है। इतना ही नहीं शायद किसी सरकारी अस्पताल में कैंसर रोग विशेषज्ञ नियुक्त हो जबकि प्रदेश में कैंसर रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सिरसा और फतेहाबाद जिले सबसे ज्यादा प्रभावित है, इन जिलों में कैंसर जांच की सुविधा तक नहीं है, कैंसर रोगियों को जांच के लिए दूसरे जिलों में भेजा जाता है। इस समय सिरसा और फतेहाबाद जिलों में कैंसर रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति किया जानी बहुत जरूरी है। सरकार को कम से कम सिरसा में कैंसर उपचार संस्थान खोलना ही होगा, घोषणाएं करने से कैंसर रोगियों का उपचार नहीं होगा, सरकार को मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने के बजाए जल्द से जल्द उनके उपचार का प्रबंध करना होगा।

मनरेगा के तहत 100 दिन रोजगार देने में उत्तर प्रदेश ने पहला स्थान हासिल किया

लखनऊ (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत 100 दिन रोजगार देने में उत्तर प्रदेश ने पहला स्थान हासिल किया है। उत्तर प्रदेश सरकार में ग्राम विकास एवं समग्र ग्राम्य विकास विभाग संभाल रहे उप मुख्यमंत्री मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर प्रदेश में मनरेगा योजना के तहत वर्ष 2024-25 में अब तक 3,13,076 परिवारों को 100 दिन रोजगार दिया गया है। इसी पोस्ट में उन्होंने कहा इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश 100 दिवस रोजगार देने में प्रथम स्थान पर है। मौर्य ने कहा, यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्र के अकुशल श्रमिकों को रोजगार के लिए अपना गांव छोड़कर नहीं जाना पड़ता है। इस बीच ग्राम विकास विभाग अकुशल कर्मियों को हुनरमंद बनाने के लिए प्रशिक्षित भी कर रहा है। ग्राम विकास विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मनरेगा कामगार मात्र मजदूर बनकर न रह जाएं, इसलिए उन्हें अपने क्षेत्र में कुशल, हुनरमंद और काबिल बनाने के लिए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में प्रदेश में मिशन उन्नति योजना के तहत प्रशिक्षित कराया जा रहा है।

दिल्ली की जनता ने भाजपा के पक्ष में बनाया मनः सीएम नायब सिंह सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा के पक्ष में मन बना लिया है और आगामी 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने झूठ व सब्जबाग दिखाकर केवल अपने सपनों को पूरा करने वाली आप सरकार को बाहर का रास्ता दिखाने का निर्णय ले लिया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज पंचकूला में आयोजित बजट 2025-26 के लिए महिलाओं के साथ छठा पूर्व बजट परामर्श के उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि दिल्ली में पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय

जनता पार्टी की सरकार बनेगी। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि श्री अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस को भी पीछे छोड दिया। उन्होंने भ्रष्टाचार की सभी सीमाएं लांघ दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की आप सरकार झूठ की बुनियाद पर खड़ी है जिसने पिछले 10 वर्षों में केवल अपने सपने पूरे करने का काम किया है। परंतु अब दिल्ली की जनता समझ चुकी है कि केवल भारतीय जनता पार्टी ही गरीबों की सच्ची हितेषी है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब हितेषी हैं और उन्होंने ठाना है कि जहां भी झुग्गी है वहां पक्का मकान हो। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार द्वारा गरीबों को पक्के मकान बनाकर दिए जा रहे हैं।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में हरियाणा को खेलों की धरती, जवानों की धरती और किसानों की धरती बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी हाल ही में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा हरियाणा के कई खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद अवार्ड, भीम अवार्ड, द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित किया है।

सम्पादकीय

दिल्ली में भाजपा की चाहत

भाजपा दिल्ली को विकसित एवं अत्यंत आधुनिक राजधानी बनाना चाहती है तो उसके लिए यह अवसर था कि वह अपनी भावी योजनाओं और भविष्य के खाके पर बात करती, लेकिन वह भी महिलाओं एवं मतदाताओं को आकर्षित करने के लिये बढ़-चढ़कर मुफ्त संस्कृति का सहारा ले रही है। कांग्रेस के लिए यह मौका था कि वे उन क्षेत्रों को रेखांकित करती जिनमें आप सरकार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। वे मतदाताओं के समक्ष बेहतर विकल्प भी प्रस्तुत कर सकती थी। कांग्रेस को चाहिए था कि वह शीला दीक्षित के दौर में हुए दिल्ली के विकास को चुनावी मुद्दा बनाती, दिल्ली को पेरिस बनाने की बात को बल दिया जाता, लेकिन उसका प्रचार अभियान मुफ्त की सुविधओं के इर्दगिर्द ही घूम रहा है, जो एक विडम्बना एवं त्रासदी ही है। यह दुर्भाग्य की बात है कि दिल्ली चुनाव में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है जो दिल्ली की बड़ी समस्याओं का समाधान करता हो। दिल्ली के मतदाताओं को मोटे तौर पर व्यक्तिगत हमले सुनने को मिल रहे हैं और ऐसे मुद्दों पर बात हो रही है जो दिल्ली को आगे ले जाने वाले एवं विकसित राजधानी बनाने वाले नहीं हैं। भारत को तेज आर्थिक विकास की आवश्यकता है, दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश की राजधानी के चुनाव को इसके लिए पूंजी, पर्यावरण और ऊर्जा की टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित करने पर केंद्रित रहना चाहिए। इससे जुड़ा एक मसला रोजगार तैयार करने का है। सबसे अहम मुद्दा दिल्ली का विकास एवं प्रदूषण मुक्त परिवेश का है। लेकिन सभी राजनीतिक दल इन मुद्दों से हटकर फ्री की सुविधाओं पर ही केन्द्रित है, भला दिल्ली में अच्छे दिन कैसे आयेंगे एवं विकास की तस्वीर कैसे बनेगी? कभी-कभी लगता है समय का पहिया तेजी से चल रहा है जिस प्रकार से घटनाक्रम चल रहा है, वह और भी इस आभास की पुष्टि करा देता है। पर समय की गति न तेज होती है, न रुकती है। हां चुनाव घोषित हो जाने से तथा प्रक्रिया प्रारंभ हो जाने से जो क्रियाएं-प्रतिक्रियाएं हो रही हैं उसने ही सबके दिमागों में सोच की एक तेजी ला दी है। प्रत्याशियों के चयन व मतदाताओं को रिझाने के कार्य में तेजी आ गई है, लेकिन जनता से जुड़े जरूरी मुद्दों पर एक गहरा मौन पसरा है। न गरीबी मुद्दा है, न बेरोजगारी मुद्दा है। महंगाई, बढ़ता भ्रष्टाचार, बढ़ता प्रदूषण, राजनीतिक अपराधीकरण एवं दिल्ली का विकास जैसे ज्वलंत मुद्दे नदारद हैं। दिल्ली की मानसिकता घायल है तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। पुराने चेहरों पर उसका विश्वास नहीं रहा। अब प्रत्याशियों का चयन कुछ उसूलों के आधार पर होना चाहिए न कि मुफ्त की संस्कृति और जीतने की निश्चितता के आधार पर। मतदाता की मानसिकता में जो बदलाव अनुभव किया जा रहा है उसमें सूझबूझ की परिपक्वता दिखाई दे रही है लेकिन फिर भी अनपढ़ एवं गरीब मतदाता फ्री की सुविधाओं पर सोचता है और अक्सर उसी आधार पर वोट देता है। जबकि एक बड़ा मतदाता वर्ग ऐसा भी है जो उन्नत सड़के, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं को भी बेहतर देखना चाहता है। उसके लिये यमूना में बढ़ता प्रदूषण भी चिन्ता का एक कारण है। समय पर जल आपूर्ति न होना भी उसकी समस्याओं में शामिल है। चूंकि मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग योग्यता और व्यापक जनहित के मुद्दे पर नहीं करता, इसलिए वह मुफ्त की संस्कृति में डूबा है। इसलिये उसके जीवन स्तर में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं आता है, विकास तो बहुत पीछे रह जाता है। सब दल और उनके नेता सत्ता तक येन-केन-प्रकारेण पहुंचना चाहते हैं, लेकिन जनता को लुभाने के लिये उनके पास बुनियादी मुद्दों का अकाल है। जबकि दिल्ली अनेक समस्याओं से घिरी है, लेकिन इन समस्याओं की ओर किसी भी राजनेता का ध्यान नहीं है। बेरोजगारी एक विकट समस्या है, पर क्या कारोबार और निजी उद्यमों को बढ़ाए बिना केवल सरकारी नौकरियों के सहारे दिल्ली के युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है? क्या सरकारी नौकरियां ही रोजगार हैं? क्या आप अपने कारोबार में किसी को उसकी उत्पादकता की परवाह किए बिना नौकरी पर रखना चाहेंगे? मगर सरकारी नौकरियों में यही होता है। क्या यह आम जनता के करों के पैसे का सही उपयोग है? जनता के मतों का ही नहीं, उनकी मेहनत की कमाई पर लगे करों का भी जमकर दुरुपयोग हो रहा है। राजनेताओं द्वारा चुनाव के दौरान मुफ्त बांटने की संस्कृति ने जन-धन के दुरुपयोग का एक और रास्ता खोल दिया है। हमारे चुनावी लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडम्बना यही है कि बुनियादी मुद्दों की चुनावों में कोई चर्चा ही नहीं होती। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त चिकित्सा, महिलाओं के खातों में नगद सहायता पहुंचाने से लेकर कितनी तरह से मतदाता को लुभाने एवं लूटने के प्रयास होते हैं। न हवा शुद्ध, न पानी शुद्ध, सड़कों पर गड्ढे-इनके कारणों की कोई चर्चा नहीं। आप सरकार के दावों के बावजूद दिल्ली की शिक्षा एवं चिकित्सा की हालत जर्जर है। डिस्पेंसरियों, अस्पतालों और सफाई संस्थानों में जो धांधलियां हैं, उसके जिम्मेदार कौन है? क्या कोई उन्हें सुधारने की समयबद्ध योजना की बात करता है? आजादी का अमृत महोत्सव मना चुकी दिल्ली की इन दुर्दशाओं के कारण क्या है? क्या चुनाव में इन मुद्दों पर चर्चा होती है? क्या कोई बाबुओं और नौकरों की फौज पैदा करने वाली बेकार शिक्षा प्रणाली को सुधारने, निजी कारोबारों और रोजगार देने वाले उद्यमों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने की बात करता है? कभी सोचा है, क्यों नहीं? क्योंकि चुनाव राष्ट्र को सशक्त बनाने का नहीं बल्कि अपनी जेबें भरने का जरिया बन गया है।

जयंती

हरचरण सिंह बराड़

जन्म-21 जनवरी, 1919; मृत्यु-6 सितंबर, 2009) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ तथा पंजाब के मुख्यमंत्री थे। चंडीगढ़ में पंजाब तथा हरियाणा सचिवालय के बाहर बम विस्फोट में तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के मारे जाने के बाद हरचरण सिंह बराड़ मुख्यमंत्री बने थे। वह 31 अगस्त, 1995 से 21 नवंबर, 1996 तक मुख्यमंत्री पद पर रहे। वह ओडिशा और हरियाणा के राज्यपाल भी रहे।

पुण्यतिथि

शिवपूजन सहाय

जन्म-9 अगस्त, 1893, शाहाबाद, बिहार; मृत्यु-21 जनवरी, 1963, पटना) हिन्दी साहित्य में एक उपन्यासकार, कहानीकार, सम्पादक और पत्रकार के रूप में प्रसिद्ध थे। इनके लिखे हुए प्रारम्भिक लेख 'लक्ष्मी', 'मनोरंजन' तथा 'पाटलीपुत्र' आदि पत्रिकाओं में प्रकाशित होते थे। शिवपूजन सहाय ने 1934 ई. में 'लहेरियासराय' (दरभंगा) जाकर मासिक पत्र 'बालक' का सम्पादन किया। स्वतंत्रता के बाद शिवपूजन सहाय 'बिहार राष्ट्रभाषा परिषद' के संचालक तथा 'बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन' की ओर से प्रकाशित 'साहित्य' नामक शोध-समीक्षाप्रधान त्रैमासिक पत्र के सम्पादक थे।

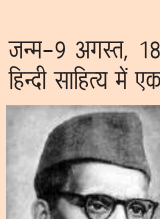

कल मिलेंगे

पति-सूजी के हलवे में चीनी कम है
पत्नी-लेकिन ये तो उपमा बनाया था मैंने
पति-अच्छा, फिर नमक ज्यादा है उपमा में.....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

क्या इरडा बीमा कंपनियों की नकेल कस सकेगा?

पिछले साल मैं छोटे बेटे के पास राजकोट में था। वहां मुझे बाईपास सर्जरी करानी पड़ी। इस सर्जरी का खर्च में इन्होंने करीब 70 हजार की कटौती की। इसमें 55 हजार के आसपास आपरेशन के दौरान अस्पताल द्वारा मुझे खिलाए भोजन के साथ ही आपरेशन में प्रयुक्त हुए सामान निडिल, ग्लोबज और सिरेंज आदि के व्यय की की गई। अब को इनसे पूछने वाला नही कि आपरेशन के दौरान अस्पताल में रहने के दौरान क्या मरीज भोजन नहीं करेगा?

-अशोक मधुप

बीमा कंपनियों के बारे में हाल ही में इरडा (भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण) ने एक रिपोर्ट जारी की है कि बीमा कंपनियां बीमा खरीदार द्वारा किए 100 रुपए के भुगतान पर 86 रुपए ही क्लेम देती हैं। इस रिपोर्ट में और भी बहुत कुछ है किंतु इरडा ने यह नहीं बताया कि कम भुगतान करने वाली कंपनियों पर इरडा क्या कार्रवाई कर रही है? कितने मामलों में उसने पूरा भुगतान कराया? इस व्यवस्था में सुधार के लिए उसके द्वारा किए गए निर्णय क्या हैं? बिल प्राप्त हो जाने के बाद बिलों भुगतान क्यों नहीं हो रहा? भुगतान में विलंब की अवधि का उपभोक्ता को सूद क्यों नहीं दिलाया जा रहा?

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) की हालिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि सामान्य, स्वास्थ्य और सरकारी बीमा कंपनियां 100 रुपये का प्रीमियम लेकर सिर्फ 86 रुपये ही क्लेम देती हैं। कुछ बीमा कंपनियां तो 100 रुपये के एवज में 56 रुपये ही क्लेम दे रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023-24 में सामान्य बीमा कंपनियों ने पॉलिसीधारकों को दावे के एवज में 76,160 करोड़ रुपये का भुगतान किया। यह 2022-23 की तुलना में 18 फीसदी अधिक है।

2023-24 में बीमा कंपनियों ने कुल 83 फीसदी दावों का निपटान किया और 11 फीसदी खारिज कर दिया। छह फीसदी दावे 31 मार्च, 2024 तक लंबित रहे। इस अवधि में सामान्य और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों ने कुल 2.69 करोड़ स्वास्थ्य दावों का निपटान कर 83,493 करोड़ रुपये का भुगतान किया। प्रति क्लेम औसत रकम 31,086 रुपये रही। विश्लेषकों का कहना है कि प्रीमियम लेने और दावों के निपटान में क्रमशः 100 फीसदी और 80 फीसदी का औसत ठीक-ठाक है। कुल दावों में से 72 फीसदी थर्ड पार्टी (टीपीए) ने निपटाए। बाकी 28 फीसदी दावों का निपटान कंपनियों ने अपने तरीके से किया। 66.16 फीसदी दावे कैशलेस तरीके से निपटाए गए, जबकि 39 फीसदी में रिइंबर्समेंट मिला। सरकारी कंपनियों का क्लेम 100 रुपये के प्रीमियम के एवज में 90 रुपये से अधिक रहा है। नेशनल इंश्योरेंस ने 100 रुपये प्रीमियम लेकर 90.83 रुपये क्लेम दिया है। न्यू इंडिया ने 105.87 रुपये, ओरिएंटल ने 101.96 रुपये और यूनाइटेड इंडिया ने 109 रुपये क्लेम दिया है। सभी सरकारी बीमा कंपनियों का क्लेम औसत 103 रुपये रहा है।

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) की हालिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि सामान्य, स्वास्थ्य और सरकारी बीमा कंपनियां 100 रुपये का प्रीमियम लेकर सिर्फ 86 रुपये ही क्लेम देती हैं। ये इरडा की रिपोर्ट है, जबकि सच्चाई कुछ और है। आप क्लेम मांग कर देखिए, ये कंपनियां कितना परेशान करती हैं। उपभोक्ता के बिल में मनमर्जी की कटौती तो आम बात है। इरडा जो बीमा कंपनियों पर नियंत्रण करती है। उनकी गतिविधियों पर रोक लगाती है। उसका कार्य है कि बीमा कंपनियों द्वारा अवैध रूप से रोके गए भुगतान दिलाए। उसके नियंत्रण के बावजूद क्यों नहीं बीमा कंपनियों पर सही से नियत्रंण नही हो रहा। इरडा ने कहा कि बीमा कंपनियां 100 रुपए के प्रीमियम पर 86 रूपया ही क्लेम दे रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि है। कुछ बीमा कंपनियां तो 100 रुपये के एवज में 56 रुपये ही क्लेम दे रही हैं। इरडा ने ये रिपोर्ट तो जारी कर दी किंतु यह नहीं बताया कि प्रीमियम की एवज में कम भुगतान करने वाली बीमा कंपनियों के विरूद्ध वह क्या कार्रवाई कर रहा है? वह ऐसा कर कर रहा है कि बीमा कंपनियां पूरा भुगतान दें। उसे इस रिपोर्ट पर उठाए गए कदम और आदेश भी बताने चाहिए थे।

दरअसल बीमा कंपनियों की भुगतन में मनमर्जी चलती है। बीमा कराने वाले की कोई नहीं सुनता। मेरा ओरिंयटल इंशोरेंस कंपनी का दस लाख का मेडिक्लेम है। दस साल से पुरानी पोलिसी है। पहले यह बीमा पांच लाख रुपए का था। लगभग छह साल पहले मैंने इसे बढ़ाकर दस लाख का करा लिया। दस लाख में मैं और मेरी पत्नी दोनों कवर है। मैंने लगभग चार साल पहले अपनी पत्नी की आंख का मोतियाबिंद का आपरेशन देहरादून के अमृतसर आई क्लीनिक में कराया। कंपनी का कहना है कि मोतियाबिंद के आपरेशन में हम चालीस हजार रुपए का भुगतान करेंगे। आपने खर्च कितना ही किया हो, हमें इससे कुछ नहीं लेना। मैंने दोनों आखों के आपरेशन का 40-40 हजार रुपए का बिल कंपनी को भेजा। पहले आपरेशन का इन्होंने अपनी मनमर्जी से 22 हजार का भुगतान किया। दूसरी आंख का चालीस हजार रुपए का भुगतान दिया। मैंने लिखा पढ़ी की तो उत्तर आया कि हम कर सकते हैं। हमने कर दिया। काफी लिखा पढ़ी करने और धमकाने पर काफी समय बाद बचे 18 हजार रुपए भुगतान किया। इसके बाद मैंने घुटनों का ट्रांसप्लांट कराया। पहले घुटने का बिल भेजा। दो लाख 38 हजार का। इन्होंने भुगतान किया दो लाख 36 हजार का। दूसरे घुटने के आपरेशन का बिल बना दो लाख 42 हजार। इन्होंने इस भुगतान किया दो लाख 38 हजार। यह ठीक था। इतनी कटौती हो सकती है। इस पर किसी भी उपभोक्ता को आपत्ति नहीं होगी।

पिछले साल मैं छोटे बेटे के पास राजकोट में था। वहां मुझे बाईपास सर्जरी करानी पड़ी। इस सर्जरी का खर्च में इन्होंने करीब 70 हजार की कटौती की। इसमें 55 हजार के आसपास आपरेशन के दौरान अस्पताल द्वारा मुझे खिलाए भोजन के साथ ही आपरेशन में प्रयुक्त हुए सामान निडिल, ग्लोबज और सिरेंज आदि के व्यय की की गई। अब को इनसे पूछने वाला नही कि आपरेशन के दौरान अस्पताल में रहने के दौरान क्या मरीज भोजन नहीं करेगा? क्या बिना भोजन किए आठ दिन रहा जा सकता है? इंजेक्शन सिरेंज, निडील, ग्लोबस आदि के बिना आपरेशन हो सकता है, किंतु कोई सुनने वाला नहीं। ये मेरा ही नहीं औरों का भी ये ही किस्सा है। उन्होंने भी कहा कि उनके भी आपरेशन में प्रयोग हुई निडिल सिरेंज ग्लोबस के भुगतान में मनमर्जी है। किसी केस में भुगतान कर देते हैं किसी में नहीं। ये समझ नहीं आता कि भुगतान में बीमा कंपनियों मनमर्जी क्यों करती हैं? इरडा को स्पष्ट आदेश करना चाहिए कि वे क्या भुगतान करेंगी क्या नहीं। ये ही आदेश वाहनों के बारे में होना चाहिए। इरडा ने पीछे आदेश किया कि अप्रैल 2024 से सभी अस्पताल में कैशलेश की सुविधा मिलेगी, किंतु सभी कंपनी ऐसा नहीं कर रही। एक बात और अप्रैल 2024 से पहले अस्पताल को कैशलैश के पैनल में शामिल करने में भी बड़ा खेला है। प्राइवेट कंपनियां तो केशलैश के पैनल में अस्पताल को शामिल करने में बहुत उदार हैं, किंतु सरकारी कंपनी नहीं। पत्नी की आखों का मोतियांबिंद का आपरेशन देहरादून के प्रसिद्ध 25 साल से ज्यादा पुराने अस्पताल अमृतसर आई क्लीनिक में कराया। इतना पुराना ये अस्पताल ओरियंटल इंशोरेंस कंपनी के पैनल में नहीं था। गुजराज का स्टर्लिंग अस्पताल वहां का बड़ा और 25 साल पुराना अस्पताल है। इसकी गुजरात में कई ब्रांच है। यह भी इस कंपनी के पैनल में नहीं है। छोटे शहरों के अस्पताल की तो बात ही क्या की जाएं। पिछले अप्रैल से इरडा ने आदेश किया है कि पैनल में न होने वाले अस्पतालों में भी कैशलैश की सुविधा मिलेगी, किंतु अब भी इन कंपनी की मनमर्जी चल रही है। सभी को कैशलैश की सुविधा नहीं मिल रही। मजबूरन लोगों को अस्पताल को पहले खुद भुगतान करना पड़ता है, बाद में बीमा कंपनी भुगतान करती हैं, वह भी मनमर्जी से। इस भुगतान में भी कईझकई माह लगा देती हैं। इरडा को चाहिए कि बीमा कंपनियों को यह भी आदेश करें कि बीमा कंपनियां बिल प्राप्त होने के बाद 15 दिन में बिल की राशि का भुगतान करें। भुगतान में विलंब होने पर बाजार दर से उपभोक्ता को उसके बिल की राशि पर सूद दें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

कश्मीर से पंडितों के पलायन के चार दशक

अलगाववादियों को कश्मीर प्रशासन का ऐसा वरद हस्त प्राप्त रहा कि बाद में उन्होंने कश्मीरी पंडित और श्रीनगर के न्यायाधीश एन. गंजू की भी हत्या की और प्रतिक्रया होनें पर 320 कश्मीरी स्त्रियों, बच्चों और पुरुषों की हत्या कर दी थी। ऐसी कितनी ही हृदय विदारक, अत्याचारी और बर्बर घटनाएं कश्मीरी पंडितों के साथ घटती चली गई और दिल्ली सरकार लाचार देखती भर रही और उधर श्रीनगर की सरकार तो जैसे खुलकर इन आतताइयों के पक्ष में आ गई थी

-प्रवीण गुगनानी

कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15% कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1% से नीचे होकर 0% की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जनवरी 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामने नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपने पिता शेख अब्दुल्ला के कदमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जनवरी 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात-ए-इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करने और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जनवरी 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टतः सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार-काट देने के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल-सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी, हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24 घंटो के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरें पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरुप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं-धूं जल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करनें का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक- बर्बर-क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे, घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई। कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक-चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक-बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गई और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित स्त्रियों ने आत्महत्या करनें में ही भलाई समझी। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होनें दिया गया था, कश्यप ऋषि के संस्कारवान कश्मीर में संवेदनाएं समाप्त हो गई और पाशविकता-बर्बरता का वीभत्स नंगा नाच दिखा था। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन ने जाहिर और सार्वजनिक तौर पर इस हत्याकांड का नेतृत्व किया था। ये सब एकाएक नहीं हुआ था, हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सित. 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी।

अलगाववादियों को कश्मीर प्रशासन का ऐसा वरद हस्त प्राप्त रहा कि बाद में उन्होंने कश्मीरी पंडित और श्रीनगर के न्यायाधीश एन. गंजू की भी हत्या की और प्रतिक्रया होनें पर 320 कश्मीरी स्त्रियों, बच्चों और पुरुषों की हत्या कर दी थी। ऐसी कितनी ही हृदय विदारक, अत्याचारी और बर्बर घटनाएं कश्मीरी पंडितों के साथ घटती चली गई और दिल्ली सरकार लाचार देखती भर रही और उधर श्रीनगर की सरकार तो जैसे खुलकर इन आतताइयों के पक्ष में आ गई थी। इस पृष्ठभूमि में हिजबुल और जेकेएलएफ का दुस्साहस बढ़ना स्वाभाविक ही था और वह निर्णायक तौर पर कश्मीरी पंडितों की दुकानों-घरों पर 24 घंटे में घाटी छोड़ देनें या मार दिए जानें की धमकी के नोटिस चस्पां करनें की हद तक बढ़ गया। इसके बाद जो हुआ वह एक दुखद, क्षोभजनक, वीभत्स, दर्दनाक और इतिहास को दहला देनें वाले काले अध्याय के रूप में सामनें आया। अन्ततोगत्वा वही हुआ जो वहां के अलगाववादी, आतंकवादी हिजबुल और जेकेएलफ चाहते थे। कश्मीरी पंडित पूर्व की घटनाओं, घरों पर नोटिस चिपकाए जानें और बेहिसाब कत्लेआम से घबराकर 19 जन. 1990 को हिम्मत हार गए। फारुख अब्दुल्ला के कुशासन में आतंकवाद और अलगाववाद चरम पर आकर विजयी हुआ और इस दिन साढ़े तीन लाख कश्मीरी पंडित अपनें घरों, दुकानों, खेतों, बागो और संपत्तियों को छोड़कर विस्थापित होकर दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर हो गए। कई कश्मीरी पंडित अपनों को खोकर गए, अनेकों अपनों का अंतिम संस्कार भी नहीं कर पाए, और हजारों तो यहाँ से निकल ही नहीं पाए और मार-काट डाले गए। विस्थापन के बाद का जो दौर आया वह भी किसी प्रकार से आतताइयों द्वारा दिए गए कष्टों से कम नहीं रहा कश्मीरी पंडितों के लिए। वे सरकारी शिविरों में नारकीय जीवन जीनें को विवश हुए। हजारों कश्मीरी पंडित दिल्ली, मेरठ, लखनऊ जैसे नगरों में सनस्ट्रोक से इसलिए मृत्यु को प्राप्त हो गए क्योंकि उन्हें गर्म मौसम में रहनें का अभ्यास नहीं था।

40 वर्ष पूर्ण हुए किन्तु कश्मीरी पंडितों के घरों पर हिजबुल द्वारा नोटिस चिपकाए जानें से लेकर विस्थापन तक और विस्थापन से लेकर आज तक के समय में मानवाधिकार, मीडिया, सेमीनार, तथाकथित बुद्धिजीवी, मोमबत्ती बाज और संयुक्त राष्ट्र संघ सभी इस विषय में कमोबेश बोले या नहीं यह तो नहीं पता किन्तु इन कश्मीरी पंडितों की समस्या का कोई ठोस हल अब तक नहीं निकला यह समूचे विश्व को पता है ये सच से मूंह मोड़ने और शुतुरमुर्ग होनें का ही परिणाम है कि कश्मीरियों के साथ हुई इस घटना को शर्मनाक ढंग से स्वेक्छ्छा से पलायन बताया गया!

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

विदेश मंत्री ने वाशिंगटन में कीं जापान, ऑस्ट्रेलिया के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें

(एजेन्सी)।

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वाशिंगटन में ऑस्ट्रेलिया और जापान के अपने समकक्षों के साथ बैठकें कीं और इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय मुद्दों तथा क्वाड से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। क्वाड डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पहले कार्यकाल की पहल है, इसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पुष्टि किए जाने और विदेश मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद मार्को रूबियो की अंतरराष्ट्रीय बैठकों के क्रम में क्वाड मंत्रिस्तरीय बैठक उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात के बाद जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, आज वाशिंगटन में क्वाड की सहयोगी विदेश मंत्री सीनेटर वोंग से मिलकर खुशी हुई। हमेशा की तरह दुनिया के हालात पर हमने चर्चा की। जापान के विदेश मंत्री के साथ अपनी बैठक के बाद एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया से मिलकर अच्छा लगा। हमने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। क्वाड से संबंधित घटनाक्रमों पर भी चर्चा की।

सत्ता हस्तांतरण टीम से जुड़े सूत्रों के अनुसार, रूबियो और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप भारत-अमेरिका संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने को प्राथमिकता देंगे। सूत्रों ने कहा कि विदेश मंत्री के रूप में अपने नाम की पुष्टि होने के बाद रूबियो जयशंकर के साथ अपनी पहली द्विपक्षीय बैठक करने के इच्छुक हैं।

रूबियो के नाम पर सीनेट द्वारा पुष्टि सोमवार शाम को होने की उम्मीद है और जल्द उन्हें शीर्ष अमेरिकी राजनयिक के रूप में शपथ दिलाई जा सकती है।

क्वाड के तीन अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्री सोमवार को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए यहां आए हैं। इससे पहले, उपराष्ट्रपति पद के लिए चुने गए जेडी वेंस ने शपथ ग्रहण समारोह के लिए चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग का अमेरिका में स्वागत किया। मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया कि दोनों नेताओं ने व्यापार संतुलन और क्षेत्रीय स्थिरता सहित कई विषयों पर चर्चा की।

अफगानिस्तान में भारत का तूफान, डरे चीन-अमेरिका और पाकिस्तान

(एजेन्सी)।

अफगानिस्तान। अफगान में इन दिनों वर्चस्व की एक जंग चल रही है। इस जंग में भारत को जीतता देख कई देशों में बवाल खड़ा हो गया है। इस जंग में भारत जिस तरह से कूटनीतिक स्तर पर अफगानिस्तान में घुसा और पाकिस्तान को हराया। उसने चीन और अमेरिका के भी अब होश उड़ा दिए हैं। ऐसे में खबरें आ रही हैं कि अमेरिका और चीन अब तालिबान और भारत की दोस्ती तोड़वाने के लिए एक बड़ा सीक्रेट ऑपरेशन चला सकता है। साल 2024 पिछले दस सालों में पाकिस्तानी सेना के लिए सबसे ज्यादा खूनी साल रहा है। पाकिस्तानी सेना पर 500 से ज्यादा हमले हुए। इन हमलों में 1600 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक और पाकिस्तानी पुलिसवाले मारे गए। हैरान करने वाली बात ये है कि ये वही पाकिस्तान है जो 15 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे का जश्न मना रहा था। खुशी के आंसू रो रहा था। लेकिन आज इसी तालिबान की वजह से पाकिस्तान खून के आंसू रो रहा है।

पाकिस्तान ने तालिबान पर दबाव बनाया कि वो भारत के खिलाफ एक्शन ले। मगर तालिबानी समझदार निकले। वो जानते थे कि फायदा भारत से मिलेगा न कि पाकिस्तान से। इसलिए तालिबान ने भारत के लिए पाकिस्तान से पल्ला झाड़ लिया। भारत को खुश करने के लिए तालिबान ने पाकिस्तान की जो हालत की है, उसे देखकर चीन और अमेरिका भी घबरा गए हैं। इसी डर की वजह से चीन और अमेरिका अब भारत और तालिबान की दोस्ती तुड़वाना चाहते हैं। चीनी और अमेरिकी डीप स्टेट भारत के खिलाफ एक बड़ा एक्शन ले सकते हैं। इसमें तालिबान को धमकी दी जा सकती है। डराया जा सकता है और लालच भी दिया जा सकता है कि वो भारत से दूर रहे।

अब आप सोच रहे होंगे कि चीन और अमेरिका ऐसा क्यों चाहते हैं। तो आपको बता दें कि चीन इस इलाके में अपनी बेल्ट एंड रोड परियोजना में अरबों डॉलर लगा चुका है। चीन पूरे सेंट्रल एशिया में दबदबा बनाना चाहता है। चीन को उईगर मुस्लिम विद्रोहियों से निपटने के लिए भी तालिबान की जरूरत है। यहां तक की सीपैक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे चीनी वर्कर्स पर हो रहे हमलों को रुकवाने के लिए चीन को तालिबान की ही जरूरत है। लेकिन भारत और तालिबान की नजदीकी की वजह से चीन के ये सारे मंसूबे फेल हो सकते हैं।

चीन भारत के खिलाफ जिस पाकिस्तान का इस्तेमाल हमेशा से करता आया है, उस पाकिस्तान को तालिबान ने पीटना शुरू कर दिया है। ये भी चीन के लिए एक बड़ा खतरा है। दूसरे तरफ अगर बात अमेरिका की करें तो उसे पता है कि एक ही वक्त पर चीन, पाकिस्तान और भारत पर दबदबा बनाना है तो उसे अफगानिस्तान में अपनी पकड़ मजबूत रखनी होगी।

विवियन डीसेना ने फैंस से माफी मांगी

(एजेन्सी)।

अभिनेता विवियन डीसेना के प्रशंसक इस बात से दुखी हैं कि वह बिग बॉस 18 की ट्रॉफी जीतने में मामूली अंतर से चूक गए और रविवार को करण वीर मेहरा को विजेता घोषित किया गया। शो के समापन के बाद अपने पहले पोस्ट में विवियन ने अपने प्रशंसकों से उन्हें निराश करने के लिए माफी मांगी और उनके समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। विवियन ने अपने एक्स हैंडल पर एक भावुक नोट लिखा, जिसमें लिखा था, "मुझ पर विश्वास करने और निस्वार्थ प्यार और समर्थन देने के लिए मैं तहे दिल से आपका शुक्रिया अदा करता हूँ। मैंने आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश की है और अगर मैंने आपको किसी भी तरह से निराश किया है तो मुझे खेद है।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं आपकी सभी भावनाओं को महसूस कर सकता हूं; भावनाओं का यह उफान देखकर मैं भी भावुक हो गया हूं। आप सभी का साथ पाकर मैं बेहद खुश और गौरवान्वित हूं। मैं वादा करता हूं कि मैं कड़ी मेहनत करूंगा और हर तरह से आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा।" उन्होंने निष्कर्ष निकाला "आप सभी मेरे परिवार और मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। मैंने अपने जीवन में जो कुछ भी हासिल किया है, वह सिर्फ आपकी वजह से है। मैं अपने प्रशंसकों का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। आप सभी को मेरा सलाम। बिग बॉस 18 के घर में 100 से अधिक दिनों तक बंद रहने के बाद, विवियन, करण, अविनाश मिश्रा, रजत दलाल, ईशा सिंह और चुम दरंग शो के शीर्ष 6 फाइनलिस्ट बन गए। रविवार को विजेता की दौड़ से बाहर होने वाली पहली ईशा थीं, उसके बाद चुम, अविनाश और रजत थे। जैसे ही विवियन और करण ने बिग बॉस 18 के घर की लाइटें बंद कीं और होस्ट सलमान खान के साथ मंच पर शामिल हुए, सुपरस्टार ने अपने खास अंदाज में करण वीर मेहरा को विजेता घोषित किया और अभिनेता ने 50 लाख रुपये के चेक के साथ ट्रॉफी अपने घर ले गए।

विवियन बिग बॉस 18 में सबसे अधिक भुगतान पाने वाले प्रतियोगियों में से एक थे, हालांकि, पूरे शो में उन्हें अपनी बात पर अड़े रहने और मजबूत राय रखने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा।

टाटा मोटर्स मार्च तिमाही में हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन ट्रकों को शुरूआती स्तर पर सड़कों पर उतारेगी

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन से चलने वाले ट्रकों को मार्च तिमाही में शुरूआती स्तर पर सड़कों पर उतारेगी। वैश्विक वाहन प्रदर्शनी भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पिछले सप्ताह टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन द्वारा संचालित ट्रक का अनावरण किया था। टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ ने कहा कि कंपनी दोनों प्रौद्योगिकियों हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन और ईंधन सेल इलेक्ट्रिक वाहन के लिए तैयार हो रही है।

उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन वाले ट्रक इसी तिमाही से सड़कों पर नजर आने लगेंगे। इसे तीन मार्गों मुंबई-पुणे, जमशेदपुर-कलिंगनगर और मुंबई-अहमदाबाद पर चलाया जाएगा। वाघ ने पीटीआई-भाषा को बताया कि शुरूआती स्तर पर जो अनुभव हासिल होगा उसका इस्तेमाल उत्पाद को बेहतर बनाने के साथ-साथ हाइड्रोजन ईंधन के लिए बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में किया जाएगा।

उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 से इतर शुक्रवार को यह बात की। वाद्य ने कहा, हमारे पास पहले से ही 15 इलेक्ट्रिक ईंधन सेल बसें हैं जो आईओसीएल (इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के साथ मिलकर 10 महीने से अधिक समय से चलाई जा रही हैं। ईंधन के रूप में हाइड्रोजन के इस्तेमाल के संबंध में मूल्य श्रृंखला पर बहुत काम हो रहा है।

भारतीय टी20 टीम में सिर्फ सलामी बल्लेबाजों का क्रम ही तय: अक्षर पटेल

कोलकाता (एजेन्सी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले भारत के उपकप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि भारतीय टी20 टीम में सिर्फ सलामी बल्लेबाजों का क्रम ही तय है जबकि बाकी सभी बल्लेबाजों को क्रम को लेकर लचीला रूख अपनाना होगा। भारतीय टीम बुधवार को ईडन गार्डंस पर पहला मैच खेलेगी। बल्लेबाजी क्रम में बार बार बदलाव के बारे में पूछने पर अक्षर ने कहा, यह सिर्फ मेरे बारे में नहीं है बल्कि टीम में सभी पर लागू होता है। उन्होंने कहा, 2024 की शुरूआत से हमने तय किया था कि सलामी जोड़ी तय होगी जबकि तीसरे से सातवें नंबर तक सभी को हालात, संयोजन और मैच अप्स के अनुरूप लचीला रहने के लिये कहा गया है। अक्षर ने कहा, ऐसा कोई तय क्रम नहीं है कि कोई बल्लेबाजी उसी क्रम पर खेलेगा। तीसरे से सातवें नंबर के बीच सभी के लिये यह लागू होता है। यह अभ्यास सत्र में तय होगा। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में सही समय पर सही बल्लेबाज का इस्तेमाल करना अहम है। उन्होंने कहा, अभी यहां आये एक ही दिन हुआ है। हमने (कप्तान सूर्यकुमार यादव, मुख्य कोच गौतम गंभीर और खुद अक्षर) बात की है। टीम नेतृत्व दल पर अतिरिक्त जिम्मेदारी है। बहुत कुछ बदला नहीं है। हमारे पास स्थिर टी20 टीम है और ज्यादा दबाव नहीं है। अक्षर ने कहा, नेतृत्व दल का हिस्सा बनने पर कड़े फैसले लेने पड़ते हैं। हमने इस पर बात की है। एक दूसरे पर भरोसा रखना और सही राय लेना अहम है। हम यह भी बात करते हैं कि जो हो गया, वो वापिस नहीं आने वाला। अगली श्रृंखला से पहले सकारात्मक सोच के साथ उतरना जरूरी है। उन्होंने लंबे समय बाद टीम में लौटे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का स्वागत करते हुए कहा, वह आखिरी बार वनडे विश्व कप 2023 फाइनल खेले थे और रिकवरी के बाद से उन्होंने सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया है।

मकर संक्रान्ति मिलन समारोह एवं दही चिउड़ा भोज के अवसर पर भूमिहार ब्राह्मण वर वधू डायरेक्टरी का प्रकाशन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासंघ के द्वारा रविवार को दिल्ली के हिन्दू महासभा भवन सभागार में मकर संक्रान्ति मिलन समारोह एवं दही चिउड़ा भोज के अवसर पर महासंघ के द्वारा विवाह योग्य युवक युवतियों का डाटा संग्रह कर भूमिहार ब्राह्मण वर वधू डायरेक्टरी का प्रकाशन किया गया है जिसका लोकार्पण किया गया। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनीष कुमार शेखर ने महासंघ के भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। शेखर ने कहा कि भूमिहार ब्राह्मण होने का अर्थ है विश्व ब्रह्मांड के विकास एवं रक्षा की पुरी जिम्मेदारी लेकर चलना। शेखर ने कहा कि आने वाले समय में महासंघ अपने कार्यक्रम से भूमिहार ब्राह्मण ही नहीं बल्कि सभी जाति एवं वर्ग के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ के अध्यक्ष कुलाधिपति डॉ प्रियरंजन त्रिवेदी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा से ही समाज का विकास होगा। यूनाइटेड नेशन के पूर्व अधिकारी एवं इंदिरा गांधी टेक्नोलॉजीकल एंड मेडिकल साइंसेज यूनिवर्सिटी अरूणाचल प्रदेश के कुलाधिपति डॉ मार्कंडेय राय ने दहेज मुक्त विवाह का संकल्प दिलाया। समाजसेवी एवं सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता श्री रामनगीना सिंह एवं इतिहासकार प्रोफेसर आनंद वर्धन ने भूमिहार ब्राह्मण समाज के गौरवशाली इतिहास की जानकारी दी। बिहार में भूमिहार ब्राह्मण जाति के नाम से ब्राह्मण हटाने के निर्णय के लिए निंदा की गई तथा प्रोफेसर आनंद वर्धन के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सरकार से संवाद कर सुधारवाने की लड़ाई लड़ी जाए।

इस अवसर पर महासंघ ने प्रबुद्ध सदस्यता अभियान की शुरूआत किया है जिसमें प्रथम प्रबुद्ध सदस्य के रूप में डॉ मार्कंडेय राय को सदस्यता दी गई जिन्हें दंडी स्वामी सहजानंद सरस्वती की लिखित 7 खंडों की पुस्तक का सेट भेंट किया गया। समारोह में अपना विचार व्यक्त करने वाले में प्रमुख रूप से विश्व हिन्दी परिषद के महासचिव डॉ विपीन कुमार, हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुन्ना कुमार शर्मा, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता नवीन कुमार, दिनेश सिंह, राष्ट्र सृजन अभियान के अध्यक्ष प्रदुम्न कुमार सिन्हा, महात्मा अभेदानन्दजी, भूमंत्र ग्रुप के मुख्य सलाहकार ओमप्रकाश पाण्डेय, उद्योगपति राजीव चंचल, श्रीकांत सिंह, दिनकर शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता रचना शाही आदि प्रमुख हैं।

आगत अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करने वालों में स्वागत समिति के सदस्य के रूप में दिनेश कुमार सिंह, धनंजय कुमार, नरेंद्र कुमार, अमितेश आनंद, शशिरंजन कौशिक, अभिनंदन सिंह, ओंकार नाथ सिंह, रणजीत कुमार सिंह, निशांत कुमार सिंह, अमोद कुमार, कुंदन कुमार मधुकर आदि प्रमुख थे।

पुराने वाहनों की होगी स्क्रैपिंग व रि-साइक्लिंग: राव नरबीर सिंह

■ उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने जारी की अधिसूचना

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में पंजीकृत वाहन स्क्रैपेज एवं रि-साइक्लिंग सुविधा प्रोत्साहन नीति 2024 अधिसूचित की है। इससे राज्य में पुराने वाहनों के स्क्रैपिंग व रि-साइकिलिंग सुविधा उपलब्ध होगी और जगह-जगह कबाड़ में तब्दील हो चुके वाहनों के पुर्जों का दोबारा उपयोग हो सकेगा। इससे राज्य में ईको पर्यावरण में भी सुधार होगा।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एनजीटी द्वारा पुराने डीजल वाहनों की 10 व पेट्रोल वाहनों की 15 वर्ष तक पासिंग सीमा अवधि तय करने बाद कंडम वाहनों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और इसको देखते हुए हरियाणा सरकार ने यह निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि सरकार की इस पहल से वाहनों के पुर्जों की रि-साइक्लिंग होने से दोबारा से इस्तेमाल संभव हो सकेगा। इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से बचाव होगा और अर्थ व्यवस्था भी मजबूत होगी। इसके

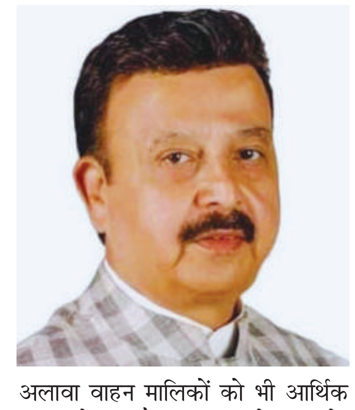

अलावा वाहन मालिकों को भी आर्थिक लाभ होगा और जनता को सड़कों, गलियों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कंडम वाहनों की पार्किंग से निजात मिलेगी।

उन्होंने बताया कि नीति को हरियाणा सरकार उद्योग का दर्जा देगी। हरियाणा में स्थापित की जाने वाली नई उद्योग इकाइयों को पूंजी अनुदान या राज्य जीएसटी में प्रतिपूर्ति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि नीति के तहत उद्योग एवं वाणिज्य विभाग हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंचरणा विभाग के माध्यम से 10 वर्ष की लीज पर देने का माड्यूल तैयार करेगा।

मंत्री राव नरबीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार स्टार्ट अप्स, महिला उद्यमी, तथा अनुसूचित जाति श्रेणी के उम्मीदवारों को उद्यम पूंजी निधि स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाएगी। अवसंचरण विकसित करने के लिए 20 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें भूमि को छोड़कर संर्पूण परियोजना की 10 प्रतिशत लागत तथा औद्योगिक श्रेणी के डी ब्लाक में शत प्रतिशत तथा बी व सी श्रेणी के ब्लाक में 75 प्रतिशत स्टांप ड्यूटी की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

उन्होंने बताया कि उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए परियोजना लागत का 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा, जो अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक का होगा। इसके अलावा राज्य के युवाओं के कौशल एवं रोजगार उपलब्ध कराने वाले 10 ऐसे उद्योगों को 50 लाख रुपये का अनुदान भी दिया जाएगा।

100 दिवसीय सघन टीवी अभियान अंतर्गत हुआ कार्यशाला का आयोजन

■ जनपद की 131 ग्राम पंचायतें होंगी टी.बी. मुक्त

संजना भारती संवाददाता

बदायूं। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से वर्ष 2025 तक भारत को टी.बी. मुक्त बनाने के लिए अनेकों प्रयास किए जा रहे हैं। सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 100 दिवसीय सघन टी.बी. अभियान अंतर्गत जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव की अध्यक्षता में किया गया। अभियान आगामी 24 मार्च 2025 तक चलेगा। वहीं टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत के लिए 131 ग्राम पंचायतों ने टी.बी मुक्त होने का दावा प्रस्तुत किया है, जिसके सत्यापन उपरांत 24 मार्च को उनको टी.बी. मुक्त घोषित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी टी.बी. मरीज जांच से वंचित न रहे तथा उसे निर्धारित दवा समय से उपलब्ध हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि वह टी.बी. मरीज के संपर्क में रहे तथा वह नियमित रूप से दवाई ले, यह सुनिश्चित करें रोगी बीच में दवाई ना छोड़ें। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए कहा।

जिलाधिकारी ने जनपद के अधिकारियों, ग्राम प्रधानों, प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक आदि से टी.बी. मरीजों के पोषण के लिए करीब 600 रुपए प्रति माह आगामी 06 माह तक देने के लिए सहमति पत्र बनाकर उन पर हस्ताक्षर कराने के लिए कहा ताकि कोषागार से उनके वेतन से धनराशि ली जा सके, इसके लिए जिला क्षय रोग अधिकारी को एक बैंक खाता भी खुलवाने के लिए कहा। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ0 विनेश ने बताया कि जनपद बदायूं की जनसंख्या लगभग 40 लाख है। इनमें से 15 प्रतिशत लगभग 06 लाख लोगों को वल्नरेबल पापुलेशन अंतर्गत फोकस पर लिया जा रहा है। उन्होंने बताया अभी तक 142000 लोगों की मैपिंग, लाइन लिस्टिंग की जा चुकी है। जिन लोगों को फोकस पर लिया जा रहा है उसमें मुख्य रूप से 60 वर्ष की आयु से अधिक, कुपोषित लोग जिनका बीएमआई 18.5 से कम है, धूम्रपान, अल्कोहल का सेवन करने वाले, एचआईवी मरीज तथा ऐसे लोग जो पूर्व में टी.बी. के मरीज रहे हैं और वह लोग जो टी.बी. मरीजों के संपर्क में रहे हैं।

उन्होंने बताया कि टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत हेतु 06 मापदंड निर्धारित किए गए हैं। 20 जनवरी 2025 तक जनपद की 131 ग्राम पंचायतों ने टी.बी. मुक्त होने का दावा प्रस्तुत किया है। जिनके लिए शासन के निर्देशानुसार जनपद स्तर पर गठित कमेटी द्वारा सत्यापन किया जाएगा तथा आगामी 24 मार्च राष्ट्रीय टी.बी. मुक्त दिवस के दिन उनको टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रामेश्वर मिश्र सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सोपोर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक जवान शहीद

(एजेन्सी)।

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के सोपोर में रात भर चली मुठभेड़ के दौरान घायल हुए एक जवान ने सोमवार को दम तोड़ दिया। मुठभेड़ कल रात शुरू हुई जब सुरक्षा बलों ने एक ठिकाने पर छापा मारा, जिसके बाद आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी की, जिसके बाद पूरे इलाके में ऑपरेशन चलाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इलाके में एक या दो आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। गोलीबारी के दौरान एक सैनिक घायल हो गया और उसे 92 बेस आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, घायल जवान ने दम तोड़ दिया। फिलहाल सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की नाकेबंदी कर दी है और सर्च ऑपरेशन जारी है। CASO को जालूरा क्षेत्र में लॉन्च किया गया था। इलाके में गोलियों की आवाज सुनने के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। कश्मीर जोन पुलिस ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सोपोर के जालूरा में पुलिस और एसएफ द्वारा शुरू किए गए सीएएसओ के दौरान एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया। उसी दौरान अंदर से आग देखी गई। इलाके की घेराबंदी कर दी गई।

गोरौल में शीघ्र खुलेगा डिग्री कॉलेज

■ मुख्यमंत्री की घोषणा का दिखने लगा है असर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। प्रगति यात्रा के क्रम में दिनांक 6 जनवरी को वैशाली आगमन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि गोरौल में डिग्री कॉलेज खुलेगा। घोषणा के दो सप्ताह के भीतर ही शिक्षा विभाग की टीम ने गोरौल पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। जिला पदाधिकारी, यशपाल मीणा ने शिक्षा विभाग को डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए पहले ही जमीन चिन्हित कर भेज दिया था। चिह्नित भूमि गोरौल भगवानपुर एवं इनायतनगर के सीमान पर है जिसका कुल रकबा 5 एकड़ 4 डिसमिल है।

निरीक्षण टीम द्वारा चिह्नित भूमि पर संतुष्ट होते हुए बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना निगम से भूमि का स्वाइल टेस्टिंग का निर्देश दिया गया। साथ ही निरीक्षण टीम ने चिह्नित भूमि पर डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए अपनी अनुशंसा भी दे दी है।

निरीक्षण टीम में उप निदेशक, उच्च शिक्षा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, महाविद्यालय निरीक्षक (कला एवं वाणिज्य विश्वविद्यालय द्वारा नामित प्रतिनिधि), उप प्रबंधक तकनीकी (असैनिक), बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना निगम, वैशाली तथा अंचल अधिकारी शामिल थे।

उपायुक्त ने जिलावासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाने की की अपील

■ समस्याओं का तय समय सीमा में निदान, हमारी जिम्मेवारी: उपायुक्त

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि लघु सचिवालय के सभागार में प्रत्येक कार्य दिवस को समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त ने जिलावासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवाने की भी अपील की।

उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिले की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक कार्यदिवस को पूरे प्रदेश में प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर

आयोजित करने का निर्णय लिया हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की जनता की समस्याओं का मौके पर व जल्द से जल्द समाधान करना हैं। इसको लेकर सरकार लगातार प्रयासरत है।

उपायुक्त ने जिला के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निवारण करें। उन्होंने बताया कि इसमें कोताही की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने बताया कि हम सभी जिले की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रहे है। समस्याओं का जल्दी और तय समय सीमा में निदान हो, ये हमारी जिम्मेवारी ही नहीं कत्र्तव्य भी है।

दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। प्रखंड के परना पंचायत निवासी स्व. छोटे लाल साह जो पूर्व बिहार प्रदेश कांग्रेस डेलिगेट थे। उनके निधन से बेगूसराय कांग्रेस पार्टी को बहुत बरी छती हुई हैं।

पूर्व विधायक अमिता भूषण के नेतृत्व मे कांग्रेस जनों का विशाल जत्था उनके पार्थिव शरीर पर पार्टी का झंडा एव फूल माला देकर उन्हे श्रद्धांजलि दी तथा उनकी आत्मा की शान्ति दो मिनट मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की साथ ही उनके परिजन को इस दुःख से उबरने हेतु सांत्वना दी एव परिवार को कांग्रेस पार्टी तथा अपने द्वारा मदद का भरोसा दिया इसमे उनके साथ श्रीकांत राय, जय प्रकाश साह, नीरज कुमार, कमर अंसारी, ब्रजेश सहनी, रजनीश कुमार, देवेन्द्र तांती, प्रमोद चौधरी, शंकर साह, मोती सिंह, लछ्मन तांती, मौजी सहनी, चंद्रचूर सिंह, अशोक सिंह, रमेश सिंह, मनु भारती, लछ्मन जी, दावर खां, ओमप्रकाश सिंह, राम सगर साह, बेगूसराय प्रखंड अध्यक्ष विजय कुमार सिंह आदि सैकड़ो कांग्रेस जन उपस्थित थे।

आर एल महतो बीएड कॉलेज में पांच दिवसीय खेल महोत्सव का शुभारंभ

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मिन्टू कुमार

दलसिंहसराय/समस्तीपुर। स्थानीय रामपुर जलालपुर स्थित आर एल महतो इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन परिसर में पांच दिवसीय खेल महोत्सव का शुभारंभ हुआ। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने फीता काटकर किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत महाविद्यालय के निदेशक प्रशांत पंकज ने बुके, पाग एवं मोमेंटो प्रदान कर किया। स्वागत गीत अनुभवी, स्नेहा, ब्यूटी, अमीषा, खुशबू एवं अन्नू के द्वारा किया गया। इस क्रम में मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया।

मंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा कि महाविद्यालय द्वारा खेल महोत्सव का आयोजन करना एक सराहनीय पहल है। प्रतिस्पर्धा की दौड़ में प्रतिभा तलाशने के लिए प्रतियोगिता का होना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खेलकूद मनुष्य प्राणी जीवन की सबसे सुखद अनुभूति है। इस खेलकूद का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक शक्ति का विकास करना होता है। खेलकूद से स्वस्थ आदतें विकसित होती है। वहीं कॉलेज के निदेशक प्रशांत कुमार पंकज ने कहा कि खेलकूद से शारीरिक अंगों में चंचलता, हृदय में प्रसन्नता तथा मन में उत्साह और स्वतंत्रता के भाव भरकर यह हमारे जीवन शक्ति को बढ़ा देता है। खेलकूद विद्यार्थियों के अवकाश के चरणों का सुंदरतम उपयोग है, यह उन्हें अनुचित गतिविधियों से बचाते हैं। प्रशांत पंकज ने कहा कि शरीर को स्वस्थ चेहरा को आकर्षक तथा उत्साहपूर्ण बनाएं रखने के लिए खेलकूद आवश्यक है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि इस खेल महोत्सव में स्लो साइकिल रेस, लॉन्ग जंप, हाई जंप, सुई धागा रेस, स्पून एवं एंड मार्बल रेस, कैरम बोर्ड, रन रेस 100 मीटर, मैथमेटिकल रेस, गोला फेंक, कबड्डी, बैडमिंटन, म्यूजिकल चेयर रेस, रस्सा खींच आदि शामिल है।जो कार्यक्रमानुसार किया जाएगा।

इस क्रम में महाविद्यालय की को डायरेक्टर अर्चना पंकज, जदयू नेत्री शकुंतला वर्मा, बनारसी ठाकुर, धनेश्वर महतो, अरविंद कुशवाहा, डीएलएड विभागाध्यक्ष मो इमामुद्दीन, खेल प्रशिक्षक मुकेश कुमार राय, हसन राजा अंसारी, केशव कुमार चौधरी, उमा शंकर चंदन, सर्वेश सुमन, डॉ. सविता कुमारी, रूपम कुमारी, कुमारी दीपा, आकांक्षा कुमारी, पल्लव पारस, पंकज गुप्ता, रूपक कौशल, रश्मि रोजी, श्वेता कर्ण, किरण चौधरी, संतोष सुमन, दिनेश मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

जिला परिवहन कार्यालय पूर्वी चंपारण मोतिहारी के सौजन्य से जागरूकता रैली निकालकर सड़क सुरक्षा माह का किया गया आयोजन

संजना भारती संवाददाता

मोतिहारी। सड़क सुरक्षा माह (01 से 31 जनवरी, 2025 अंतर्गत सोमवार को समाहरणालय परिसर से जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली को जिलाधिकारी-सह-अध्यक्ष, जिला सड़क सुरक्षा समिति, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जागरूकता रैली में भारत स्काउट गार्डड, मोतिहारी के कैडेटस के द्वारा भाग लिया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। आज के समय में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। सड़क सुरक्षा का अर्थ यातायात दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए जाने वाले उपायों से हैं। उन्होंने अपील की कि वाहन चलाते समय प्रत्येक चालक को यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। सीट बेल्ट का प्रयोग और बाइक चलाते समय हेलमेट पहनना जरूरी बताई गई। जिलाधिकारी ने कहा कि यातायात के संकेत का पालन करना भी एक सुरक्षात्मक उपाय है जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

जागरूकता रैली के द्वारा शहरी क्षेत्रों के मुख्य चौक चौराहों पर आमजनों को सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत कराते हुए उन्हें जागरूक किया गया।

उक्त अवसर पर नगर आयुक्त, नगर निगम, मोतिहारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, अपर जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), जिला जन संपर्क पदाधिकारी, सभी प्रवर्तन अवर निरीक्षक/थानाध्यक्ष, यातायात एवं जिला परिवहन कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित थे।

दिल्ली की सियासी लड़ाई रोहिंग्या और बांग्लादेशियों पर आई

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिल्ली की चुनावी सियासत रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के इर्द-गिर्द घुमती दिख रही है। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि AAP रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को संरक्षण देती है, अब इसका विरोध हो रहा है। सैफ अली खान के मामले से देश सदमे में है। अवैध घुसपैठियों का समर्थन करने वाली आप जैसी पार्टियों पर बड़ा सवाल उठ रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता अवैध घुसपैठियों का समर्थन करने वाली पार्टी को चुनाव में बाहर कर देगी।

कालकाजी विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने कहा कि आप नेताओं ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के आधार कार्ड और राशन कार्ड बनाए हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में बीजेपी सरकार बनने के बाद डिटेंशन सेंटर बनाए जाएंगे और उनमें रोहिंग्या और घुसपैठियों को रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपना राशन कार्ड बनाया है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हिंसक हमले के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आपराधिक गतिविधियों में शामिल अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। खान पर उनके मुंबई स्थित आवास पर हुए हमले में एक बांग्लादेशी नागरिक शामिल था, जिस पर अभिनेता पर हमला करने का आरोप था। राज्यपाल सक्सेना ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर इन घुसपैठियों की पहचान करने और उन पर नजर रखने के लिए एक विशेष मिशन चलाने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि ऐसे आप्रवासी अक्सर गलत पहचान के तहत रोजगार पाते हैं, कुछ रेस्तरां में भी काम करते हैं, और इससे कम मजदूरी की स्वीकृति के कारण स्थानीय श्रम बाजारों पर उनके प्रभाव के बारे में चिंता बढ़ गई है।

भारतीय सेना ने किया 'डेविल स्ट्राइक' का अभ्यास

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। भारतीय सशस्त्र बलों ने 16 से 19 जनवरी तक आयोजित एक उच्च तीव्रता वाले संयुक्त अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस महत्वाकांक्षी अभ्यास, डेविल स्ट्राइक, जिसमें सेना के विशिष्ट हवाई सैनिक और वायु सेना शामिल थे। निर्बाध एकीकरण, उन्नत क्षमताओं और संचालन के लिए तत्परता का प्रदर्शन किया। रणनीतिक प्रशिक्षण क्षेत्रों और फायरिंग रेंजों में आयोजित, यह अभ्यास जटिल परिचालन परिदृश्यों को मान्य करने पर केंद्रित था, जिसमें शत्रुतापूर्ण इलाकों में सैनिकों और उपकरणों की सटीक प्रविष्टि शामिल थी। अभ्यास में विषम परिस्थितियों में परिचालन प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए लॉजिस्टिक भरण-पोषण रणनीतियों का भी परीक्षण किया गया।

अभ्यास का मुख्य आकर्षण अत्याधुनिक उपकरणों और उन्नत प्रौद्योगिकियों की तैनाती थी, जिससे दूरदराज और चुनौतीपूर्ण स्थानों पर बलों की सटीक और कुशल डिलीवरी संभव हो सकी। समकालिक हवाई अभ्यासों ने सेना और वायु सेना के बीच असाधारण समन्वय प्रदर्शित किया, जो एक एकजुट इकाई के रूप में काम करने की उनकी क्षमता को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, अभ्यास में यथार्थवादी मिशन परिदृश्यों को शामिल किया गया, जिससे सशस्त्र बलों की परिचालन तत्परता और प्रतिक्रिया तंत्र को परिष्कृत करने में मदद मिली। लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए मिनवाला, एवीएसएम, वाईएसएम, जीओसी 33 कोर, जिन्होंने अभ्यास का अवलोकन किया, ने भाग लेने वाली इकाइयों की व्यावसायिकता और अनुकूलनशीलता की सराहना की। एक्सरसाइज डेविल स्ट्राइक ने एक बार फिर हमारे सशस्त्र बलों की विभिन्न परिचालन परिदृश्यों में एक सामंजस्यपूर्ण इकाई के रूप में अनुकूलन, नवाचार और संचालन करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। यह भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयारी बनाए रखने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नारायणगढ़ में खोला जायेगा बागवानी महाविद्यालयः सीएम नायब सिंह सैनी

सड़कों की मरम्मत/नवीनीकरण और गांवों के विकास के लिए 20 करोड़ रुपये देने की घोषणा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा और खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए एक बागवानी कॉलेज की स्थापना और स्थानीय स्टेडियम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ लगाने की घोषणा की। यह बागवानी कॉलेज महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल से संबद्ध होगा जिससे इस क्षेत्र के युवाओं को बागवानी के क्षेत्र में विश्व स्तरीय शिक्षा और शोध के अवसर मिलेंगे। उन्होंने बड़ागढ़ स्टेडियम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ लगाने की घोषणा करते हुए कहा कि स्टेडियम में हॉकी खिलाड़ियों के लिए हाई-मास्ट लाइटें भी लगाई जाएंगी ताकि सांयकाल के बाद भी हमारे खिलाडी अभ्यास जारी रख सकें।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा 'नारायण तालाब' की भौतिक रिपोर्ट जांच कर इसे हरियाणा तालाब प्राधिकरण को देकर तालाब का जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने पतरहेड़ी से शहजादपुर-नारायणगढ़ तक सड़क को चार लेन का बनाने की भी घोषणा की।

स्थानीय बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए मुख्यमंत्री ने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी सड़कों की मरम्मत और जीर्णोद्धार के लिए 10 करोड़ रुपये देने की भी घोषणा की। साथ ही, मार्केटिंग बोर्ड के तहत सड़कों की मरम्मत के लिए अतिरिक्त 5 करोड़ रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांवों के विकास के लिए 5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि लगभग 45 गांवों में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण पहले ही किया जा चुका है और आश्वासन दिया कि शेष गांवों में भी धीरे-धीरे इसी प्रकार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

इस अवसर पर श्री नायब सिंह सैनी ने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 10 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया, जिनकी कुल लागत 43.28 करोड़ रुपये है। इनमें 22.23 करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 21.05 करोड़ रुपये की 3 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। उद्घाटन की गई परियोजनाओं में कई नई संपर्क सड़कों के निर्माण के साथ-साथ मौजूदा सड़कों का चौड़ाकरण व नवीनीकरण शामिल है। इसके अलावा, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के अंतर्गत चांदसोली में क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री ने नए बस स्टैंड के निर्माण, वर्कशॉप के नवीनीकरण, नारायणगढ़ की नई कॉलोनियों में पेयजल पाइपलाइन बिछाने तथा पेयजल वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण कार्यों की आधारशिला भी रखी।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती शैली चौधरी, पूर्व मंत्री श्री असीम गोयल, पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी और श्रीमती संतोष सारवान, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री मंदीप सिंह राणा, चेयरमैन श्री धर्मबीर मिर्जापुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

एक लाख पात्र लाभार्थियों को जल्द ही 100-100 गज के प्लॉट का कब्जा/कागजात दिए जाएंगे

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में वे जल्द ही एक लाख पात्र लाभार्थियों को 100-100 वर्ग गज के प्लॉट का कब्जा/कागजात सौंपेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत सरकार इस वर्ष के भीतर लगभग 77,000 पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे धनराशि हस्तांतरित करेगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बचे हुए पात्र लोगों की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण करें ताकि सभी पात्र परिवारों को योजना के तहत उनको घर मिलना सुनिश्चित किया जा सके।

समाधान शिविर में शिकायतों का मौके पर ही किया निपटारा

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला में लघु सचिवालय सहित सभी उपमंडल कार्यालयों में प्रत्येक कार्य दिवस में समाधान शिविरों का आयोजन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज लघु सचिवालय के सभागार में अतिरिक्त उपायुक्त यश जालुका की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। ऐसे ही शिविर संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में नीलोखेड़ी, इन्द्री, असंध और घरौंडा में भी आयोजित किए गए। जिला स्तरीय समाधान शिविर में आई अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निदान कर दिया गया और शेष पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए गए।

उपायुक्त ने बताया कि इन समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, जमीन की रजिस्ट्री, शहरी निकाय विभाग से एनडीसी लेने, नक्शे की मंजूरी, पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी आदि शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार को करनाल के लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में छह शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। वहीं 4 शिकायतें लंबित है तथा एक शिकायत को रद्द कर दिया गया। इंद्री उपमंडल में दो शिकायतें प्राप्त हुई जिनका मौके पर ही समाधान कर दिया गया। वहीं घरौंडा, नीलोखेड़ी, असंध उपमंडल में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

रेवाड़ी जिले के भाजपा के पांच मंडल अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित

संजना भारती संवाददाता

रेवाड़ी। भाजपा के संगठन पर्व के तहत रेवाड़ी जिले में सोमवार को 5 मंडल अध्यक्ष निर्वाचित किये गये। बूथ अध्यक्षों द्वारा सर्वसम्मति से मंडल अध्यक्षों का चुनाव किया। रेवाड़ी विधानसभा के पांचों मंडलों में प्रस्तावक, समर्थकों के हस्ताक्षर करवा कर फार्म भरे व निर्विरोध निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न की गई। जिनमें रेवाड़ी मंडल का समीर कालड़ा, बलभद्र मंडल का दीपक अग्रवाल, मीरपुर मंडल का नवीन कुमार, बीकानेर मंडल का दिनेश यादव, धारूहेड़ा मंडल का अजीत कोसलिया को मंडल अध्यक्ष का दायित्व दिया गया। भाजपा के जिला अध्यक्षा वंदना पोपली ने कहा कि रेवाड़ी जिले में कुल 15 मंडल हैं, जिनमें से आज 5 मंडल के मंडल अध्यक्ष निर्वाचित हो गए है।

वंदना पोपली ने कहा कि मंडल अध्यक्ष पार्टी की रीढ़ की हड्डी है, मंडल अध्यक्ष पद न हो कर एक बड़ा दायित्व है, मंडल अध्यक्ष ही शक्ति केंद्र प्रमुख, पन्ना प्रमुख और सभी कार्यकताओं से डायरेक्ट संबंध में होता है। इसलिए पार्टी और कार्यकर्ताओं के बीच मंडल अध्यक्ष एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों ने कहा कि भाजपा संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उस जिम्मेदारी को वह पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ पूरा करेंगे। जिला चुनाव सह अधिकारी पंडित हिमांशु पालीवाल एवं बलजीत यादव की उपस्थिति में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई।

अंबाला जिला के गांव बड़ागढ में हरियाणा कबड्डी खेल महाकुंभ कार्यक्रम आयोजित

विजेता पुरुष और महिला कबड्डी टीमों को किया पुरस्कृत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अम्बाला जिला के गांव बड़ागढ़ में आयोजित हरियाणा कबड्डी खेल महाकुम्भ कार्यक्रम में घोषणा करते हुए खेल स्टेडियम बड़ागढ में 14 करोड़ रूपए की लागत से हॉकी का एस्ट्रो ट्रफ बनाया जाएगा तथा खेल के मैदान में फलड लाईटें लगाई जाएंगी। इसके अलावा, गांव लाहा तथा गांव बिचपड़ी में स्थित खेल स्टेडियमों के नवीनीकरण के लिए 5 करोड़ रूपए खर्च किए जाएंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कबड्डी महाकुंभ में पुरुष एवं महिला वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही विजेता टीमों को पुरस्कृत भी किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि कबड्डी केवल ताकत का खेल नहीं, बल्कि दिमाग का खेल भी है। खिलाड़ियों के दमखम पर भारत आज ओलम्पिक व अन्य अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। इसमें हरियाणा के खिलाड़ियों का सर्वाधिक योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हरियाणा के ऐसे 11 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित भी किया गया है। इनमें से एक खिलाड़ी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड, 10 खिलाड़ियों को अर्जुन अवार्ड तथा 1 कोच को द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कबड्डी, कुश्ती और मुक्केबाजी जैसे परम्परागत खेलों का गढ़ रहा है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में प्रदेश के खिलाड़ियों ने पदक जीत कर न केवल हरियाणा का, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। अब तो हरियाणा खेलों के दम पर बॉलीवुड की भी पसंद बन गया है। दंगल और सुलतान जैसी फिल्में हरियाणा के पुरुष और महिला खिलाड़ियों का गौरव गान करती हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हरियाणा कबड्डी महाकुंभ में प्रथम स्थान पर रही हिसार, दूसरे स्थान पर रोहतक और तीसरे स्थान पर रही गुरुग्राम व अंबाला की महिला कबड्डी टीम को ट्रॉफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इसी प्रकार पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता के प्रथम स्थान पर रही गुरुग्राम, द्वितीय स्थान पर रही हिसार, तृतीय स्थान पर रही रोहतक व अम्बाला की टीम को ट्रॉफी व पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रथम स्थान पर आई टीम को 2 लाख रुपए, द्वितीय को 1 लाख रुपए व तृतीय स्थान पर आने वाली टीमों को क्रमशः 25-25 हजार के पुरस्कार दिए गए।

इस मौके पर खेल विभाग के प्रधान सचिव श्री नवदीप सिंह विर्क, महानिदेशक श्री संजीव वर्मा समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जिले के समाधान शिविरों में आई 18 शिकायतें, 14 का हुआ मौके पर समाधान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार तथा डीसी प्रीति के मार्गदर्शन लघु सचिवालय के साथ-साथ उप मंडल स्तर पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन निरंतर रूप से किया जा रहा है। जिले के सभी समाधान शिविरों में कुल 18 शिकायतें आई, जिनमें से 14 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। अन्य शिकायतों के त्वरित निपटान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

लघु सचिवालय में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में नौ शिकायतें आई, जिसमें से सात का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। वहीं उपमंडल गुहला-चीका के खंड एवं विकास पंचायत अधिकारी कार्यालय में लगाए जा रहे समाधान शिविर में सात शिकायत प्राप्त हुई, जिसका मौके पर ही समाधान कर दिया गया। कलायत एसडीएम कार्यालय में दो शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके जल्द समाधान के निर्देश दिए गए।

डीसी प्रीति ने कहा कि समाधान शिविर हरियाणा सरकार की एक अच्छी पहल है। आमजन को एक ही छत के नीचे सभी विभागों से जुड़े अधिकारी मौजूद रहते हैं, जिससे किसी समस्या का जल्द समाधान होना संभव हो जाता है। आमजन को इन शिविरों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे समाधान शिविर में स्वयं उपस्थित रहें और लोगों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनें। शिकायतों का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाए।

इन समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, जमीन की रजिस्ट्री, शहरी निकाय विभाग से एनडीसी लेने, नक्शे की मंजूरी, पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी आदि शिकायतें आती हैं।

हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशिक्षण हुआ आरंभ

सभ्य समाज में लिंग आधारित हिंसा का कोई स्थान नहींः अनिता रानी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के डॉ एस राधाकृष्णन सम्मेलन कक्ष में 'महिला सुरक्षा' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ। अकादमी की जिला उप-न्यायवादी अनिता रानी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसमें प्रदेश की विभिन्न इकाइयों से प्रशिक्षण पर आए राजपत्रित व अराजपत्रित पद के 25 पुलिस अधिकारी भाग ले रहे हैं।

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 जनवरी तक चलेगा। अकादमी के निदेशक डॉ अरशिन्दर सिंह चावला ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रगति बारे जानकारी ली। प्रतिभागियों ने उनके साथ समूह चित्र कराया। जिला उप-न्यायवादी अनिता रानी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभ्य समाज में लिंग आधारित हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित रखना पुलिस के प्राथमिक कार्यों में से एक है। किसी भी समाज की प्रगति का आधार महिला की सुरक्षा भी है।

समाज में सुरक्षित वातावरण महिलाओं की प्रगति के अवसर उपलब्ध कराता है और उनमें आत्मविश्वास का संचार करता है। हम उन्हें सुरक्षित वातावरण देकर सशक्त बनने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि कानून लागू करने वाली ऐजेंसी, संवेदनशीलता के साथ करते हुए एक सुरक्षित समाज का निर्माण करने में योगदान दे सकती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यालय में आंतरिक शिकायत समिति तथा प्रत्येक जिला में स्थानीय शिकायत समिति का गठन किया गया है, जहां पर कार्यस्थल पर लैंगिक हिंसा से प्रभावित महिला अपनी शिकायत दर्ज कर सकती है।

स्कूल व मंदिरों में रात के समय चोरी की वारदात करने वाले गिरोह के 3 सदस्य काबू

चोरी की कुल 12 वारदात सुलझी, करीब 5 लाख रुपए मूल्य का चोरीशुदा सामान बरामद

एसबी संवाददाता

कैथल। रात के समय स्कूल व मंदिरों से चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह के 3 सदस्यों को काबू करके एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा उल्लेखनिय सफलता हासिल की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी से चोरी की 12 वारदात सुलझी है तथा आरोपियों के कब्जे से करीब 5 लाख रुपए कीमत का चोरीशुदा सामान बरामद किया गया।

प्रेस वार्ता दौरान डीएसपी सुशील प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव दुसेरपुर निवासी मोती राम की शिकायत अनुसार उनके गांव दुसेरपुर स्थित गुरू ब्रह्मानन्द मंदिर से 14 जनवरी की रात अज्ञात कमरे का ताला तोड़कर 350 स्टील की थाली, लगभग 100 स्टील के गिलास, सिल्वर की 15 बाल्टियां, लगभग 500 स्टील के चम्मच, चावल व चीनी से भरे दो पीपे, आधा पीपा देसी घी का, सिल्वर के दो बडे टब, 15 डोरी/ढोंगे, दो छत वाले पंखे, एम्पलीफायर डेक, माईक, रुपयों की माला व राजमिस्त्री का सामान चोरी कर-के ले गए। जिस बारे थाना गुहला में मामला दर्ज किया गया।

डीएसपी ने बताया कि क्षेत्र में चोरी की वारदातो को देखते हुए एसपी राजेश कालिया ने एंटी व्हीकल थेफ्ट को आदेश दिए गए थे कि जल्द से जल्द चोरों को काबू किया जाए।

आदेशो पर खरा उतरते हुए एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ इंचार्ज एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एचसी महिपाल, एसआई शुभकरण, एएसआई अशोक, एचसी इश्म सिंह, एचसी राममेहर, एचसी लखविंद्र सिंह, चालक एचसी सुभाष, होमगार्ड प्रेम व तरशेम की टीम द्वारा 18 जनवरी की शाम को चीका रोड़ कैथल से आरोपी भुना निवासी गोपाल उर्फ लाल, श्युमाजरा निवासी कुलदीप तथा कलरमाजरा निवासी सुल्तान को एक बाइक सहित काबू किया गया।

तीनों आरोपियों का 19 जनवरी को न्यायालय से 2 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया। रिमांड अवधि दौरान पूछताछ दौरान आरोपियों ने उपरोक्त चोरी की वारदात के अतिरिक्त 11 अन्य चोरी की वारदातो को अंजाम देना कबूल किया। जिनमें मंदिर, आंगनवाड़ी केंद्र व स्कूलों से इन्वर्टर बैटरी, एलसीडी टीवी, मंदिरों के बर्तन, कैमरा डीवीआर, छत वाले पंखे, गेहूं चावल व अन्य सामान चोरी करना शामिल है। जो उक्त चोरो को काबू करके पुलिस टीम द्वारा थाना सीवन के 6, गुहला के 4, पूंडरी का एक तथा थाना शहर थानेशर कुरुक्षेत्र के एक मामले सहित कुल 12 चोरी के मामले सुलझाने में सफलता हासिल की गई है। डीएसपी ने बताया कि उपरोक्त आरोपी दिन के समय स्कूलों व मंदिरों की रैकी करते थे तथा रात के समय चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों के कब्जे से एमलीफायर, माइक, वारदात में प्रयुक्त बाइक, 182 प्लेट, 22 गिलास, 6 बाल्टी, चावल चीनी, एक टब, 3 डोंगे, 2 पंखे, एक कटर,285 चम्मच, देशी घी, 7 इंन्वर्टर, 10 बैटरी, चांदी के छत्र, कैमरे वाईफाई बॉक्स, डीवीआर, 7 पंखे, 3 एलसीडी टीवी, करीब 2 क्विंटल गेहूं, करीब 2 क्विंटल चावल, एक चोरी की बाइक, लेंटर वाइब्रेटर व घरेलु रसोई का सामान तथा वारदात में प्रयुक्त औजार बरामद किए गए है।

आरोपी कुलदीप पर चोरी का 1, लड़ाई झगड़े के 3 मामले, गोपाल पर 4 चोरी के व 1 एनडीपीएस का मामला तथा आरोपी सुल्तान पर चोरी के 5, 1 एनडीपीएस का व एक लडाई झगडा का मामला दर्ज है। तीनो आरोपी आदतन अपराधी है। तीनो की वर्ष 2023 दौरान कैथल जेल के अंदर दोस्ती हुई थी। जिसके बाद तीनो मिलकर वारदात करने लगे। सभी आरोपी मंगलवार को न्यायालय में पेश किए जाएंगे, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

गणतंत्र दिवस समारोह पुलिस लाइन करनाल में हर्षोल्लास व उमंग से मनाया जाएगाः उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी को हर्षोल्लास, उत्साह व उमंग से कैथल रोड स्थित पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा एक राष्ट्रीय पर्व है। इस समारोह के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों मे जुटा हुआ है। इसके इलावा स्कूली बच्चें भी सांस्कृतिक, कार्यक्रम, सामूहिक मास पीटी शै का पूर्व अभ्यास कर रहें है, वही दूसरी ओर परेड़ मे शामिल होने वाली प्लाटून भी निरंतर अभ्यास कर रही है।

उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर उन अधिकारियों, कर्मचारियों, मेधावी छात्रों व खिलाड़ियों तथा एनजीओ और समाज सेवकों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा, इसके लिए 21 जनवरी को प्रातः 10 बजे तक नामों की सिफारिश प्रशंसनीय कार्यो के ब्योरा सहित नगराधीश/उपायुक्त कार्यालय की फुटकर शाखा प्रथम मंजिल कमरा नम्बर 26 मे भेज सकतें है। उन्होंने बताया कि समारोह में परेड की टुकड़ी शामिल रहेंगी। ये सभी टुकड़ियां एसडीएम करनाल, एमडी शुगर मिल करनाल, नगराधीश, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तथा जिला शिक्षा अधिकारी की देखरेख में पूर्व अभ्यास कर रही है। उन्होंने बताया कि समारोह में स्कूली बच्चों का सामूहिक मास पीटी शो तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहेंगे तथा विभिन्न विभागों की ओर से सुंदर झांकियां भी निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस का पूर्व अभ्यास 22 जनवरी को तथा फाइनल रिहर्सल 24 जनवरी को पुलिस लाईन परेड ग्राऊंड मे होगी।

जाट हाई स्कूल सोसायटी के कॉलेजियम के चुनाव को लेकर 21 व 22 जनवरी को भरे जाएंगे नामांकन

'नामांकन की फीस 11000 रुपये होगी जोकि नॉन-रिफंडेबल होगी'

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। अतिरिक्त उपायुक्त एवं जाट हाई स्कूल सोसायटी के प्रशासक दीपक बाबूलाल करवा ने बताया कि जाट हाई स्कूल सोसायटी के 75 कॉलेजियम के चुनाव को लेकर 21 व 22 जनवरी को सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक नामांकन भरे जाएंगे। इसको लेकर सोमवार को संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

उन्होंने बताया कि नामांकन भरने के लिए इच्छुक उम्मीदवार सोसाइटी द्वारा जारी किए गए पहचान पत्र के अतिरिक्त दो फोटो युक्त सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र तथा चार पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य है। नामांकन की फीस 11000 रुपये होगी जोकि नॉन-रिफंडेबल होगी। नामांकन की फीस केवल डिमांड ड्राफ़्ट या चैक द्वारा ही स्वीकार की जाएगी। जाट हाई स्कूल सोसायटी के प्रशासक दीपक बाबूलाल करवा ने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच 23 जनवरी को की जाएगी। इसके बाद 24 जनवरी को सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक नामांकन वापस लिया जा सकेगा। 25 जनवरी को चुनाव चिन्ह दिए जाएंगे। इसके बाद दो फरवरी को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक जाट कॉलेज कैथल में मतदान होगा। इसमें कुल 16094 मतदाता मतदान करेंगे। उसी दिन शाम को परिणाम घोषित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मतदान के समय सोसाइटी द्वारा जारी किया गया पहचान पत्र व साथ में कोई भी सरकार द्वारा जारी किया गया पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोट कार्ड साथ लेकर जरूर आए।

आगामी 23 जनवरी को रोहेड़ा माजरा गांव में होगा नाइट कैंप का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार 23 जनवरी को राजौंद खंड के गांव रोहेड़ा माजरा में जिला प्रशासन की ओर से नाइट कैंप का आयोजन किया जाएगा। इसमें सभी विभागों द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इस कैंप में अधिकारियों द्वारा आमजन की शिकायतें की सुनी जाएगी।

हरियाणा ने अस्थाई व नया बिजली कनेक्शन जारी करने की समय-सीमा निर्धारित की

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के तहत कृषि पम्पिंग (ए.पी.) श्रेणी को छोड़कर, एल.टी. आपूर्ति हेतु अस्थायी कनेक्शन, नया कनेक्शन अथवा अतिरिक्त लोड जारी करने की समय-सीमा निर्धारित की है। मुख्य सचिव डा. विवेक जोशी द्वारा इस आशय की एक अधिसूचना जारी की गई है। अब अस्थायी कनेक्शन, नया कनेक्शन अथवा अतिरिक्त लोड सम्पूर्ण आवेदन, शुल्क और दस्तावेजों की प्राप्ति से महानगरीय क्षेत्रों में 3 दिन, अन्य नगरपालिका क्षेत्रों में 7 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 15 दिन के अन्दर जारी किया जाएगा।